B.A. (Part-III) EXAMINATION, 2018

(10+2+3 Pattern) (Faculty of Arts)

(Three-year Scheme of 10+2+3 Pattern)

[Also Common with Subsidiary Paper of B.A./ B.Sc. (Hons.) Part-III]

संस्कृत साहित्य

प्रथम प्रश्न-पत्र—भारतीय दर्शन एवं व्याकरण

Time Allowed : Three Hours Maximum Marks : 100

सभी (लघूत्तरात्मक तथा वर्णनात्मक) प्रश्नों के उत्तर मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें। लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर प्रश्नों के क्रमानुसार ही देवें। इसी प्रकार किसी भी एक वर्णनात्मक प्रश्न के अन्तर्गत पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के उत्तर उत्तर-पुस्तिका में अलग-अलग स्थानों पर हल करने के बजाय एक ही स्थान पर क्रमानुसार हल करें।

किसी भी परीक्षार्थी को पूरक उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जाएगी। अत: परीक्षार्थियों को चाहिए कि वे मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही समस्त प्रश्नों के उत्तर सही ढंग से लिखें।

प्रश्न-पत्र के दो भाग होंगे जिसमें अ भाग बहुविकल्पीय (वस्तुनिष्ठ) एवं लघुत्तरात्मक प्रश्नों का होगा। ब भाग में निबन्धात्मक प्रश्न होंगे। अ भाग में कुल 15 प्रश्न होंगे जिनका पूर्णांक 30 अंकों का होगा। इनके समाधान के लिए एक घण्टे का समय निर्धारित है। ब भाग के पूर्णांक 70 हैं तथा काल अवधि दो घण्टे निर्धारित है।

भाग-I (लघुत्तरात्मक)

अंक : 30

1. सत् और असत् का वर्णन गीता के किस अध्याय में है ?
2. आत्म स्वरूप (छ: विकारों) रहित के गीता के श्लोक को लिखिए।
3. गीता के अनुसार स्थिरप्रज्ञ की परिभाषा लिखिए।
4. सृष्टिचक्र का श्लोक लिखिए।
5. तर्कसंग्रह के अनुसार चौबीस गुणों का वर्णन कीजिए।
6. तर्कसंग्रह के अनुसार व्याप्ति: लक्षण लिखिए।
7. प्रत्यक्ष प्रमाण का लक्षण लिखिए।
8. तर्कसंग्रह के अनुसार पञ्चहेत्वाभासों का नाम लिखो।
9. शब्द प्रमाण का लक्षण लिखिए।
10. स्पर्श का लक्षण एवं उसके भेदों का उपस्थापन कीजिए।

11. सार्वधातुक संज्ञा होती है–

(अ) कर्तरिशप्

(ब) तिड़-शिस्सार्वधातु

(स) अतोदीर्घोयञि

(द) सार्वधातुकार्धधातुकयो:

12. दिवादिगण की धातुओं से परे शप् को होता है–

(अ) श्लु (ब) श्ना

(स) श्यन् (द) श्नु

13. भू धातु लोट् लकार उत्तमपुरुष बहुवचन का रूप है–

(अ) भवन्ति (ब) भवन्तु

(स) भवाम (द) भवाव

14. भू धातु विधिलिङ-लकार उत्तमपुरुष एक वचन का रूप है–

(अ) भवाम् (ब) भवान

(स) भवेयम् (द) भवैव

15. पचत् शब्द की नपुंसक तृतीया एक वचन में रूप बनता है–

(अ) पचता (ब) पचत्

(स) पचन्ती (द) पचताम्

भाग-II (वर्णनात्मक)

अंक : 70

1. निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं दो की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए। एक व्याख्या संस्कृत में करना अनिवार्य है। http://www.uoronline.com 7+7=14

(अ) गुरूनहत्वा हि महानुभावान् श्रेयो भोक्तुं भेक्ष्यमपीह लोके।
हत्वार्थकामांस्तु गुरूनिहैव भुञ्जीय भोगान् रुधिरप्रदिग्धान्।।

(ब) न कर्मणावनारम्भान्नैष्कर्म्यं पुरुषोऽश्नुते ।
न च संन्यसनादेव सिद्धिं समधिगच्छति।।

(स) नियतं कुरु कर्म त्वं कर्म ज्यायो हयकर्मण:।
शरीरयात्रापि च ते न प्रसिद्धयेकर्मण:।।

(द) तस्मादसक्त: सततं कार्यं कर्म समाचर।
असक्तो हयाचरन्कर्म परमाजोति पुरुष: ।।

2. गीता के अनुसार भक्ति योग का वर्णन कीजिए।

अथवा

गीता के अनुसार मोक्ष का उपस्थापन कीजिए। 7+7=14

http://www.uoronline.com

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो गद्यांशों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए। एक की संस्कृत व्याख्या अनिवार्य है।

(अ) प्रतिज्ञा हेतूदाहरणोपनय निगमनानि पञ्चावयवा: ।।
पर्वतोवन्हिमानिति प्रतिज्ञा। धूमवत्वादिति हेतु: ।
यो यो धूमवान् स स वन्हिमान् इत्युदाहरणम्।
तथा चाऽयमित्युपनय:। तस्मात्तथेति निगमनम्।।

(ब) अभावप्रत्यक्षे विशेषणविशेस्याव: सन्निकर्ष:।
घटाभाववद् भूतलम् इत्यत्रं चक्षु: संयुक्ते भूतलेघटाभावस्य विशेषणत्वात् ।

(स) प्रत्यक्ष ज्ञान हेतुरिन्द्रियार्थ सन्निकर्ष षड्निध:।
संयोग, संयुक्तसमवाय: संयुक्तसमवेत समवाय:,
समनवाय:, समवेतसमवाय:, विशेषणविशेस्य-भावश्चेति ।।

(द) इन्द्रियार्थ सन्निकर्षजन्यं ज्ञानं प्रत्यक्षम्।
ज्ञानाकरणकं ज्ञानं प्रत्यक्षम्। तद्विविधम्निर्विकल्पकं सविकल्पमुञ्चेति।।

4. आत्मा के स्वरूप का वर्णन कीजिये। 8

अथवा

प्रत्यक्ष प्रमाण को उपस्थापित कीजिए। 8

5. निम्नलिखित सूत्रों में से किन्हीं पाँच की व्याख्या कीजिए। 3×5=15

(क) "ऋतश्च"
(ख) स: स्विदिस्वदि सहीनांच।
(ग) धातो: कर्मण: समानकर्तृकादिच्छायां वा।
(घ) सनि च।
(ङ) हलन्ताच्च।
(च) कण्ड्वादिभ्योयक्।
(छ) कर्तरि कर्म व्यतिहारे।
(ज) सुप आत्मन: क्यच्।
(झ) न धातुलोप आर्धधातुके।
(ञ) दीर्घोऽकित:।

6. किन्हीं पाँच को ससूत्र सिद्धि कीजिए- 3×5=15

(1) भवामि (2) अभवन्
(3) एघते (4) भवथ:
(5) कुर्वन्ति (6) बुदन्ति
(7) दीव्यन्ति (8) बुभूषति
(9) जिघत्सति (10) विमित्सति।